25.11.24

Tender Heart High School, Sector-33B, Chandigarh.

कक्षा- तीसरी विषय- हिन्दी साहित्य

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पाठ -13 दो बैलों की कथा

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा तीसरी की हिन्दी साहित्य की पाठ्य पुस्तक में पाठ - 13 'दो बैलों की कथा' को पढ़ेंगे तथा समझेंगे।

यह कहानी दो बैलों की कथा है। झूरी के पास दो बैल थे। उनका नाम था हीरा और मोती। दोनों बैलों में इतना प्यार था कि वे दोनों नाँद में एक साथ मुँह डालते और एक साथ ही हटाते थे। झूरी भी उन दोनों का बहुत ध्यान रखता था। झूरी उन्हें बहुत प्यार करता था और वे भी झूरी को बहुत चाहते थे।

एक दिन झूरी की पत्नी का भाई गया कुछ दिनों के लिए हीरा और मोती को अपने गाँव ले गया। रास्ते में जब हीरा और मोती ने उसे बड़ा तंग किया तो गया ने उन्हें खूब पीटा। घर पहुँचते ही गया ने उनके सामने रूखा - सूखा भूसा डाल दिया, जिसे उन्होंने सूँघा तक नहीं। रात होने पर हीरा और मोती रस्सियाँ तोड़कर भाग निकले। सुबह होते ही जब झूरी ने दोनों को देखा तो वह समझ गया और प्यार से हाथ फेरने लगा। झूरी

कक्षा - तीसरी विषय - हिन्दी साहित्य

की पत्नी उन्हें देखकर जल भुन गई और उनके सामने रूखा-सूखा भूसा डाल दिया। हीरा और मोती तब भी खुश थे।

अगले दिन गया दोनों बैलों को गाड़ी में जोतकर ले गया। न चाहते हुए भी दोनों बैल घर पहुँचे। गया ने अब उन बैलों से सख्ती और मारना-पीटना शुरू कर दिया और उनके सामने वह रूखा-सूखा भूसा डाल देता था। दोनों लाचारी से एक-दूसरे को देखते रहते। गया के घर में एक छोटी-सी लड़की रहती थी। उसे बैलों की दुर्दशा देखकर बुरा लगता था। वह लड़की रात को चुपके से उन्हें प्यार से रोटी खिलाती। एक दिन लड़की ने जब दोनों बैलों को खोला तब वे दोनों बैल भाग निकले। गया उन्हें पकड़ न सका। रास्ते में उन्हें एक साँड मिला। दोनों ने उसे देखकर साहस से काम लिया। दोनों के बल दिखाने पर साँड भाग गया। आगे चलकर उन्हें मटर के खेत दिखे। भूखे होने के कारण वे खेत में घुसकर मटर खाने लगे। थोड़ी देर में खेत के रखवालों ने उन्हें देख लिया और काँजीहौस मे बंद करवा दिया। हीरा और मोती ने वहाँ और भी कमज़ोर और दुबले-पतले जानवर देखे। वहाँ किसी के लिए चारे-पानी का प्रबंध नहीं था। रात के समय हीरा और मोती ने दीवार गिराकर बाहर निकलने का प्रयास किया। दीवार टूटने पर कई जानवर भी भाग गए।

जब मोती ने हीरा को भागने के लिए कहा

कक्षा- तीसरी विषय- हिन्दी साहित्य

तो उसने मना कर दिया। सुबह होने पर जब काँजीहौस वालों ने यह देखा तो उन्होंने हीरा और मोती को नीलाम कर दिया। एक व्यापारी ने उन्हें ऊँची बोली बोलकर जीत लिया। और उन्हें गाँव ले जाने लगा। चलते-चलते उन्हें रास्ता जाना-पहचाना लगा। तो वे दोनों तेज़ी से भागे। वे भागते-भागते अपने घर पहुँच गए थे।

बैलों को देखकर झूरी बहुत खुश हुआ। व्यापारी जब वहाँ पहुँचा तो मोती व्यापारी पर झपट पड़ा। व्यापारी जान बचाकर वहाँ से भाग निकला। झूरी की पत्नी ने भीतर से आकर दोनों बैलों के माथे चूम लिए। अब उन्हें यह बात समझ आ गई थी कि पशु भी प्यार का भूखा होता है।

गृहकार्य

सभी छात्र इस पाठ को दो से तीन बार ऊँचे स्वर में पढ़ेंगे एवं निम्न कार्य को अपनी-अपनी कॉपी में लिखेंगे।

कठिन शब्द

1. ध्यान 2. आश्चर्य 3. व्यापारी 4. सख्त 5. दुर्दशा 6. प्रयत्न 7. उत्साह 8. नीलाम 9. ज़ोर 10. लाचार।

सुलेख

सभी छात्र अपनी कॉपी में एक पृष्ठ सुलेख के रूप में लिखेंगे। इस कार्य को सब सुन्दर लिखाई में लिखेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]